

खण्ड अ
(बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न)

1. निम्नलिखित काव्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किसी एक काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 5×1=5

काव्यांश – 1

- (क) बढ़ी है इस बार गंगा खूब
दियारो पर गाँव कितने हो गए हैं डूब
किंतु हम तो शहर की इस छोर पर हैं
देखते हैं रात-दिन जल-प्रलय का ही दृश्य
पत्थरों से बँधी गहरी नींववाला
किराए का घर हमारा रहे यह आबाद
पुराना ही सही पर मजबूत
रही जिसको अनवरत झकझोर
क्षुब्ध गंगा की विकट हिलकोर
सामने ही पड़ोसी के —
नीम, सहजन, आँवला, अमरूद
हो रहे हैं आकंठ जल में मग्न
रह न पाए स्तंभ पुल के नग्न
दूधिया पानी बना उनका रजत परिधान
रेलगाड़ी के पसिंजर खड़े होकर
खिड़कियों से झाँकते हैं
देखते हैं बाढ़ का यह दृश्य
उधर झूँसी इधर दारागंज
बीच का विस्तार
बन गया है आज पारावार
भगवती भागीरथी
ग्रीष्म में यह हो गई थी प्रतनु-सलिला
विरहिणी की पीठ लुंठित एकवेणी-सदृश
जिसको देखते ही व्यथा से अवसन्न होते रहे मेरे नेत्र
रिक्त ही था वरुण की कल-केलि का यह क्षेत्र
काकु करती रही पुल की प्रतिच्छाया, मगर यह थी मौन
उस प्रतनुता से अरे इस बाढ़ की तुलना करेगा कौन ?



- (i) 'रह न पाए स्तंभ पुल के नग्न' पंक्ति के आधार पर पुल के स्तंभों के नग्न न रह पाने का कारण है :
- (a) गंगा नदी का तेज बहाव
 (b) गंगा नदी का मटमैला पानी
 (c) गंगा नदी का बढ़ा जल-स्तर
 (d) गंगा नदी का रेतीला पानी
- (ii) पुल के स्तंभों ने कैसा परिधान धारण किया हुआ है ?
- (a) गंगा-जल रूपी रजत परिधान
 (b) चाँदी-सा चमकता परिधान
 (c) मिट्टी-सा मटमैला परिधान
 (d) दूध-सा चमकता परिधान
- (iii) गाँव में बाढ़ आने पर भी कवि के संतोष का क्या कारण हो सकता है ?
- (a) घर का नदी से दूर होना
 (b) घर का शहर के किनारे होना
 (c) घर का पुराना होना
 (d) घर का मजबूत होना
- (iv) गंगा नदी की धारा ग्रीष्म-ऋतु में कैसी हो जाती है ?
- (a) मटमैली
 (b) पतली
 (c) सूखी
 (d) काली
- (v) 'विरहिणी की पीठ लुंठित एकवेणी-सदृश' पंक्ति में कौन-सा अलंकार है ?
- (a) श्लेष
 (b) उत्प्रेक्षा
 (c) रूपक
 (d) उपमा

अथवा

काव्यांश - 2

- (ख) अब कठोर हो वज्रादपि ओ कुसुमादपि सुकुमारी !
 आर्यपुत्र दे चुके परीक्षा, अब है मेरी बारी ।
 मेरे लिए पिता ने सबसे धीर-वीर वर चाहा,
 आर्यपुत्र को देख उन्होंने सभी प्रकार सराहा ।
 फिर भी हठकर हाय ! वृथा ही उन्होंने थाहा,
 किस योद्धा ने बढ़कर उनका शौर्य-सिंधु अवगाहा ?

क्यों कर सिद्ध करूँ अपने को मैं उन नर की नारी

आर्यपुत्र दे चुके परीक्षा, अब है मेरी बारी ।

देख कराल काल-सा जिसको काँप उठे सब भय से

गिरे प्रतिद्वंद्वी नंदार्जुन, नागदत्त जिस हय से

वह तुरंग पालित-कुरंग-सा नत हो गया विनय से,

क्यों न गूँजती रंगभूमि फिर उनके जय जय जय से

निकला वहाँ कौन उन जैसा प्रबल-पराक्रमकारी

आर्यपुत्र दे चुके परीक्षा, अब है मेरी बारी ।

सभी सुंदरी बालाओं में मुझे उन्होंने माना,

सबने मेरा भाग्य सराहा, सबने रूप बखाना,

खेद, किसी ने उन्हें न फिर भी ठीक-ठीक पहचाना,

भेद चुने जाने का अपने मैंने भी अब जाना ।

इस दिन के उपयुक्त पात्र की उन्हें खोज थी सारी,

आर्यपुत्र दे चुके परीक्षा, अब है मेरी बारी ।

(i) नायिका के पिता द्वारा वर रूप में नायक का चयन उसके किन गुणों के आधार पर किया गया ?

(a) धैर्य, शौर्य, बुद्धि और वीरता

(b) शारीरिक सौष्ठव और बाहुबल

(c) घुड़सवारी में कुशल होने की कला

(d) कोमल, मधुर और विनम्र स्वभाव

(ii) उपर्युक्त पंक्तियों में आर्यपुत्र द्वारा दी जाने वाली कौन-सी परीक्षा की बात कही गई है ?

(a) स्वयं को सबसे शक्तिशाली सिद्ध करने की परीक्षा

(b) स्वयं को सबसे बुद्धिशाली सिद्ध करने की परीक्षा

(c) स्वयं को वर हेतु योग्य सिद्ध करने की परीक्षा

(d) स्वयं को सिंहासन हेतु योग्य सिद्ध करने की परीक्षा

- (iii) 'इस दिन के उपयुक्त पात्र की उन्हें खोज थी सारी' — पंक्ति में प्रयुक्त 'उपयुक्त पात्र' से क्या अभिप्राय है ?
- (a) उपयोगी बर्तन
 (b) सुंदर राजकुमारी
 (c) बलिष्ठ अश्व
 (d) उपयुक्त व्यक्तित्व
- (iv) 'देख कराल काल-सा जिसको काँप उठे सब भय से' — पंक्ति में 'जिसको' का प्रयोग किसके लिए किया गया है ?
- (a) प्रतिद्वंद्वी राजकुमार
 (b) आर्यपुत्र
 (c) तुरंग
 (d) कुरंग
- (v) 'वह तुरंग पालित-कुरंग-सा नत हो गया विनय से' — काव्य-पंक्ति में कौन-सा अलंकार है ?
- (a) अतिशयोक्ति
 (b) उपमा
 (c) उत्प्रेक्षा
 (d) मानवीकरण

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए : 10×1=10

वायु की गुणवत्ता में सुधार के लिए तुरंत कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। प्रायः प्रदूषण बढ़ने के बाद ही हम कार्यवाही के लिए लालायित होते हैं, जबकि प्रदूषण बढ़ने से पहले ही हमें सक्रिय हो जाना चाहिए। मौसम और वायु प्रदूषण एक-दूसरे से जुड़े हैं। हवा की गति कम हो, तो प्रदूषक तत्त्व बढ़ जाते हैं और हवा की गति जब ज्यादा होती है, तो बेहद खराब-से-खराब हवा भी बेहतर होने लगती है। समय विशेष में किसी खास दिशा से हवा नमी, धूल या प्रदूषकों को साथ ला सकती है। कुछ वायु प्रदूषक जमीन की सतह के आसपास होते हैं और बहुत ऊँचाई तक पहुँचे प्रदूषक मौसम को भी प्रभावित करते हैं।

जमीन से उठी गैसों, रासायनिक कण वायुमंडल में पहुँचकर अनेक बार नुकसानदेह प्रदूषणकारी बन सकते हैं, यदि वे लंबे समय तक वायुमंडल में बने रहे। अतः यदि अभी प्रदूषण वायुमंडल में पहुँचना रुक भी जाए, तो भी मौजूदा प्रदूषण अगले कई सालों तक असरकारी रहेंगे। वायु प्रदूषण की एक सच्चाई यह भी है कि एक जगह का प्रदूषण दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुँच जाता है। हवा साफ हो, तो कहीं-से-कहीं पहुँचे, चिंता की बात नहीं। हवा यदि प्रदूषण का भार लिए हुए है, तो चिंता का कारण है। हवा को प्रदूषकों का भार न ढोना पड़े, इसके साझा प्रयास किए जाने चाहिए। इसके लिए नवाचारी टेक्नोलॉजी और पद्धतियों के अनुसंधान पर काम करना ही होगा।

जगह-जगह भवनों या अन्य ढाँचागत निर्माण से खुली जगह में जो कमी आ रही है, उससे स्थानीय स्तर पर वायु-प्रवाह में दिक्कत हो रही है। इससे भी प्रदूषण आसपास ही मँडराता रहता है। जीवाश्म ईंधन जलाने से या औद्योगिक प्रदूषणों से कार्बन, सल्फर या नाइट्रोजन के ऑक्साइड जब वायुमंडल में पहुँचे, तो जल और जल का जो भी प्रारूप होगा, वह हिमपात हो या ओस हो तेजाबी हो सकता है। निस्संदेह बरसात के बाद हवा तो साफ लगेगी लेकिन प्रदूषित जल से पेड़ों की जड़ें और उनको जमीन से मिलने वाले पोषक तत्व दुष्प्रभावित हो सकते हैं। तालाबों, नदियों के जलचर पीड़ित हो सकते हैं। कुछ प्रदूषक पत्तियों पर ऐसे बैठ जाएँ, जो पेड़ों के लिए हानिकारक हों।

बरसात की जरूरत अब खेती, जलाशयों के लिए ही नहीं, दमघोंटू धुंध के प्रदूषण से निजात पाने के लिए भी हो गई है। कृत्रिम बरसात का विकल्प भी कुछ जिम्मेदार संस्थाएँ देने लगी हैं। वायुमंडलीय प्रदूषण में सुधार हेतु हमें सावधान होने की जरूरत है।

- (i) वायु की गुणवत्ता से क्या अभिप्राय है ?
- वायु के प्रदूषक तत्व
 - वायु की स्थिति
 - वायु के बहने की गति
 - वायु की शुद्धता
- (ii) 'प्रदूषण बढ़ने के बाद ही हम कार्यवाही के लिए लालायित होते हैं।' — पंक्ति मानवीय स्वभाव की किस विशेषता का उल्लेख करती है ?
- प्रदूषण बढ़ने पर हम चिंतित होने लगते हैं।
 - प्रदूषण बढ़ने से पहले ही हम कार्यवाही करने लगते हैं।
 - समस्या सिर पर आने पर ही समाधान पर विचार करते हैं।
 - समस्या आने से पहले ही समाधान पर विचार करते हैं।
- (iii) हवा की गति का प्रदूषण पर क्या प्रभाव पड़ता है ?
- हवा की गति बढ़ने पर प्रदूषण बढ़ने लगता है
 - हवा की गति बढ़ने पर प्रदूषण घटने लगता है
 - हवा की गति कम होने पर प्रदूषण कम होने लगता है
 - हवा की गति सामान्य रहने पर प्रदूषण समाप्त हो जाता है

- (iv) हवा का एक जगह से दूसरी जगह पहुँचना चिंता का कारण कब बन जाता है ?
- जब वह धीमी गति से बहे
 - जब वह तीव्र गति से बहे
 - जब उसमें प्रदूषक तत्वों की अधिकता हो
 - जब उसमें धूल-मिट्टी की अधिकता हो
- (v) हवा में उपस्थित प्रदूषण को कम करने के विषय में क्या सत्य **नहीं** है ?
- सरकार और जनता को साझा प्रयास करने होंगे ।
 - नवाचारी टेक्नोलॉजी और पद्धतियों पर काम करना होगा ।
 - धरती के बढ़ते तापमान को नियंत्रित रखना होगा ।
 - हवा में रासायनिक गैसों के उत्सर्जन को नियंत्रित करना होगा ।
- (vi) जगह-जगह भवनों के निर्माण से खुली जगह में कमी के साथ-साथ और क्या समस्या आ रही है ?
- लोगों को ध्वनि-प्रदूषण का सामना करना पड़ रहा है ।
 - स्थानीय स्तर पर वायु-प्रवाह में प्रदूषण बढ़ रहा है ।
 - स्थानीय स्तर पर लोगों को आवाजाही में दिक्कत आ रही है ।
 - स्थानीय स्तर पर सूर्य के प्रकाश की दिक्कत आ रही है ।
- (vii) हवा में उपस्थित प्रदूषण को कम करने के लिए कृत्रिम बरसात प्रभावकारी तरीका क्यों **नहीं** है ?
- इससे फ़सलों को नुकसान पहुँचेगा
 - इससे वनस्पति, जीव-जंतुओं को नुकसान पहुँचेगा
 - आर्थिक दृष्टि से महँगा सौदा है
 - प्रदूषित हवा विश्व-व्यापी समस्या है
- (viii) वर्तमान समय में बेमौसम बरसात की जरूरत क्यों महसूस हो रही है ?
- बढ़ते तापमान को कम करने के लिए
 - पेड़-पौधों की सिंचाई करने के लिए
 - पानी की कमी को दूर करने के लिए
 - प्रदूषित हवा को शुद्ध करने के लिए

- (ix) प्रस्तुत गद्यांश का वर्ण-विषय है :
- दिनोंदिन बढ़ता पर्यावरण प्रदूषण
 - दिनोंदिन हवा में बढ़ता प्रदूषण
 - कृत्रिम बरसात : आज की आवश्यकता
 - पर्यावरण सुधार : समय की माँग
- (x) निम्नलिखित कथन-कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए :
- कथन (A) : जमीन से उठी कम घातक गैसों भी वायुमंडल में पहुँचकर नुकसानदेह प्रदूषणकारी बन जाती है ।
- कारण (R) : हवा की गति कम हो, तो प्रदूषक बढ़ जाते हैं ।
- कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है ।
 - कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) कथन (A) की ग़लत व्याख्या करता है ।
 - कथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है ।
 - कथन (A) तथा कारण (R) दोनों ग़लत हैं ।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखिए : $5 \times 1 = 5$

- (i) संपादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित होने वाले लेख लिखे जाते हैं :
- संपादक मंडल द्वारा
 - पत्रकार द्वारा
 - लेखकों और कवियों द्वारा
 - प्रसिद्ध व्यक्तियों द्वारा
- (ii) हिंदी की ज्यादातर साइट क्यों नहीं खुल पाती ?
- यूनिक्ॉड फ़ॉन्ट की अनुपलब्धता से
 - की-बोर्ड की अनुपलब्धता से
 - डायनमिक फ़ॉन्ट की अनुपलब्धता से
 - बेलगाम फ़ॉन्ट की अनुपलब्धता से

- (iii) संवाददाताओं की रुचियों और ज्ञान को ध्यान में रखकर किया गया कार्य-विभाजन मीडिया की भाषा में क्या कहलाता है ?
- (a) डेड लाइन (b) एंकर बाइट
(c) बीट (d) डेस्क
- (iv) उलटा पिरामिड शैली का विकास कब हुआ ?
- (a) अमेरिका में गृह-युद्ध के दौरान
(b) प्रथम विश्व युद्ध के दौरान
(c) द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान
(d) इंग्लैंड के गृह-युद्ध के दौरान
- (v) रेडियो में महत्त्व है :
- (a) प्रसारणकर्ताओं का
(b) शब्दों और ध्वनियों का
(c) छपे हुए शब्दों का
(d) दृश्यों और तस्वीरों का

4. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 5×1=5

अगर तीस-चालीस मन गेहूँ उगाना है तो किसान पाँच-छह सेर अच्छा गेहूँ अपने पास से लेकर जमीन में क्यारियाँ बना कर फेंक देता है। उसे बुवाई कहते हैं। यह जो सूखे में हम अपने घर का पानी इन पर फेंकते हैं वह भी बुवाई है। यह पानी गली में बोलेंगे तो सारे शहर, कस्बा, गाँव पर पानी वाले बादलों की फ़सल आ जाएगी। हम बीज बनाकर पानी देते हैं, फिर काले मेघा से पानी माँगते हैं। सब ऋषि-मुनि कह गए हैं कि पहले खुद दो तब देवता तुम्हें चौगुना-अठगुना करके लौटाएँगे भइया, यह तो हर आदमी का आचरण है, जिससे सबका आचरण बनता है।

- (i) बुवाई का क्या अर्थ है ?
- (a) खेतों में बीज बोना (b) खेतों में पानी देना
(c) खेतों में कटाई करना (d) खेतों में खाद देना

- (ii) बादलों की फ़सल पाने के लिए क्या करना पड़ता है ?
- (a) बादलों की पूजा-अर्चना करनी पड़ती है
 (b) इंद्र देवता की पूजा-अर्चना करनी पड़ती है
 (c) पानी का दान-पुण्य करना पड़ता है
 (d) पानी की बरबादी को रोकना होता है
- (iii) ऋषि-मुनियों के अनुसार हमें मनवांछित फल की प्राप्ति कब होती है ?
- (a) दिन-रात परिश्रम करने से (b) ईश्वर की उपासना करने से
 (c) बड़ों के आशीर्वाद से (d) दान-पुण्य करने से
- (iv) जीजी ने किसान का उदाहरण क्यों दिया है ?
- (a) बुवाई की प्रक्रिया स्पष्ट करने के लिए
 (b) भारतीय संस्कृति की महिमा बताने के लिए
 (c) किसानों की महत्ता समझाने के लिए
 (d) दान-पुण्य की महत्ता समझाने के लिए
- (v) 'पानी गली में बोएँगे' का अभिप्राय है :
- (a) पानी की गली में बुवाई करना (b) पानी की खेतों में बुवाई करना
 (c) पानी को गली में फेंकना (d) पानी को इंद्र सेना पर डालना

5. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 5×1=5

छोटा मेरा खेत चौकोना
 कागज का एक पत्रा,
 कोई अंधड़ कहीं से आया
 क्षण का बीज वहाँ बोया गया ।
 कल्पना के रसायनों को पी
 बीज गल गया निःशेष;
 शब्द के अंकुर फूटे,
 पल्लव-पुष्पों से नमित हुआ विशेष

- (i) छोटा खेत किसका प्रतीक है ?
- (a) फ़सल रोपे जाने वाले खेत का
 (b) आकार में छोटे खेत का
 (c) कागज के उस पन्ने का जिस पर रचना शब्द-बद्ध होती है
 (d) कागज के उस पन्ने को जो पुस्तक में जिल्द-बद्ध रहता है
- (ii) 'अंधड़' से कवि का क्या अभिप्राय है ?
- (a) हवा का तीव्र वेग
 (b) शीतल-मंद-सुगंधित तेज हवा
 (c) भावनाओं और विचारों का वेग
 (d) धूल और मिट्टी से भरी तेज हवा
- (iii) कविता के संदर्भ में बताइए कि बीज किसके संसर्ग से अंकुरित हुआ ।
- (a) खाद-पानी
 (b) सूर्य का प्रकाश
 (c) कल्पना
 (d) मिट्टी-पानी
- (iv) बीज के गल जाने पर क्या हुआ ?
- (a) शब्दों के अंकुर फूटे
 (b) कवि को पश्चात्ताप हुआ
 (c) भावनाओं के अंकुर फूटे
 (d) कवि की मेहनत व्यर्थ हुई
- (v) खेती के रूपक द्वारा कवि ने प्रस्तुत किया है :
- (a) कृषि-कर्म प्रक्रिया को
 (b) काव्य-रचना प्रक्रिया को
 (c) खेती में आने वाली कठिनाइयों को
 (d) खेती के महत्त्व को

6. पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 10×1=10

- (i) सिंधु घाटी सभ्यता को 'लो प्रोफाइल सभ्यता' कहने का आधार इनमें से क्या नहीं है ?
- (a) छोटे आकार में मिलने वाली नावें
 (b) छोटे मूर्तिशिल्प और औजार
 (c) नरेश द्वारा धारण किया जाने वाला सिरपेंच
 (d) छोटे-छोटे कमरों का मिलना

- (ii) मराठी मास्टर ने आनंदा की कविता-गायन की रुचि को बढ़ावा किस प्रकार दिया ?
- पाठशाला के बाहर समारोह में गायन का अवसर प्रदान कर
 - कक्षा में बड़ी कक्षा के छात्रों के सम्मुख गायन का अवसर प्रदान कर
 - पाठशाला की प्रार्थना-सभा में गायन का अवसर प्रदान कर
 - गाँव में होली के पर्व पर गायन का अवसर प्रदान कर
- (iii) 'गधा पचीसी' मुहावरे का अर्थ 'सिल्वर वैडिंग' कहानी के संदर्भ में है :
- गधे की तरह दिन-रात काम करना
 - गधे की तरह बिना थके काम करना
 - युवावस्था में फालतू के काम करना
 - युवावस्था में मन लगाकर काम करना
- (iv) किशनदा के आदर्शों पर चलने से यशोधर बाबू के पारिवारिक, जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा ?
- उनका पारिवारिक जीवन अत्यंत सरल हो गया
 - उनका परिवार आदर्शवादी परिवार बन गया
 - उनका परिवार सिद्धांतवादी परिवार बन गया
 - उनका अपने परिवार से मतभेद रहने लगा
- (v) यशोधर बाबू सिल्वर वैडिंग मनाने के पक्ष में क्यों नहीं थे ?
- वे इसे पैसों की बर्बादी मानते थे
 - वे इसे समय की बर्बादी मानते थे
 - वे इसे विदेशी कस्टम मानते थे
 - वे रूढ़िवादी विचारों के थे
- (vi) आनंदा के पिता ईख पेरने का काम दूसरे किसानों से पहले ही क्यों शुरू कर देते थे ?
- ईख की अच्छी खासी कीमत पाने के लिए
 - जल्दी ही खेती के काम से मुक्ति पाने के लिए
 - गाँव में इधर-उधर घूमने के लिए
 - दूसरे किसानों से पहले काम समाप्त करने के लिए

- (vii) चौथी से पाँचवी कक्षा तक अपनी लगने वाली पाठशाला आनंदा को एकदम पराई जैसी क्यों लगने लगी ?
- सहपाठियों के पास हो आगे की कक्षा में चले जाने के कारण
 - मास्टर जी के कठोर व्यवहार के कारण
 - चहान के लड़के द्वारा खिल्ली उड़ाने के कारण
 - नई कक्षा की कठिन पढ़ाई के कारण
- (viii) 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर बताइए कि राखालदास बनर्जी मुअनजो-दड़ो में किसकी खोज करना चाहते थे ।
- गढ़
 - स्नानागार
 - महाकुंड
 - बौद्ध स्तूप
- (ix) मुअनजो-दड़ो में मिले विशाल कोठार का प्रयोग किस लिए किया जाता होगा ?
- कर के रूप में एकत्रित अनाज रखने के लिए
 - कर के रूप में एकत्रित धन रखने के लिए
 - उपासना केंद्र के रूप में
 - महासभा भवन के रूप में
- (x) निम्नलिखित कथन-कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए :
- कथन (A) : सिंधु घाटी सभ्यता की खूबी उसका सौंदर्यबोध है ।
- कारण (R) : (I) खुदाई के दौरान मिली वस्तुओं से उनकी कला-सिद्धता का ज्ञान होता है ।
- (II) नगर-नियोजन से उनकी सौंदर्य-प्रियता का ज्ञान होता है ।
- कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है ।
 - कथन (A) तथा कारण (R) दोनों ग़लत हैं ।
 - कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है ।
 - कथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है ।

खण्ड ब

(वर्णनात्मक प्रश्न)

7. निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : $2 \times 3 = 6$
- (क) कहानी के वे कौन-से तत्त्व हैं जो नाट्य रूपांतरण करते समय दृश्यों में नहीं ढल पाते ? इन्हें नाटक में किस प्रकार स्थान दिया जा सकता है ?
- (ख) रेडियो नाटक के लिए संवाद लिखते समय क्या सावधानी बरतनी चाहिए ?
- (ग) कहानी को नाटक में रूपांतरित करने हेतु किन्हीं तीन आवश्यक बिंदुओं का उल्लेख कीजिए ।
8. निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए : $2 \times 4 = 8$
- (क) रेडियो और टी.वी. के लिए समाचार लिखते समय किन-किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए ?
- (ख) पत्रकारिता के क्षेत्र में विशेष लेखन से क्या अभिप्राय है ? विशेष लेखन की भाषा और शैली सामान्य लेखन से अलग क्यों होती है ?
- (ग) जनसंचार के आधुनिक माध्यमों में से सबसे पुराने माध्यम की दो खूबियाँ और दो कमियाँ लिखिए ।
9. निम्नलिखित दिए गए चार विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : 6
- (क) शहरों में बढ़ती ट्रैफिक जाम की समस्या
- (ख) पर्वतीय यात्रा के दौरान जब अचानक भू-स्खलन हुआ
- (ग) जब अंतरिक्ष में घर बन जाएँगे
- (घ) स्वप्न में प्रिय हास्य कलाकार से भेंट
10. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : $2 \times 3 = 6$
- (क) 'श्रम विभाजन और जाति-प्रथा' पाठ के आधार पर श्रम विभाजन का अर्थ स्पष्ट करते हुए श्रम विभाजन और श्रमिक विभाजन का अंतर लिखिए ।
- (ख) हजारी प्रसाद द्विवेदी जी ने शिरीष के संदर्भ में गाँधी जी का उल्लेख क्यों किया है ? दोनों के बीच समानता का आधार स्पष्ट कीजिए ।
- (ग) 'पहलवान की ढोलक' पाठ के आधार पर राजपहलवान होने पर भी लुट्टन की दुर्गति का कारण लिखिए । लुट्टन के जीवन का यह परिवर्तन किस ओर संकेत करता है ?

11. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : 2×2=4

- (क) 'बाज़ार दर्शन' पाठ के आधार पर लिखिए कि पैसे की पावर का रस किन दो रूपों में प्राप्त किया जा सकता है ।
- (ख) 'लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखाओं में बँध न सकी ।' 'भक्तिन' पाठ के इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए ।
- (ग) शिरीष के फलों की तुलना किससे और क्यों की गई है ?

12. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : 2×3=6

- (क) 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता के आधार पर लिखिए कि अपाहिज व्यक्ति की शब्दहीन पीड़ा को मीडियाकर्मी किस प्रकार अभिव्यक्त करना चाहता है । क्या वह अपने उद्देश्य में सफल हो पाता है ? तर्क सहित उत्तर दीजिए ।
- (ख) 'मैं पेंच खोलने की बजाए उसे बेतरह कसता चला जा रहा था'
— उपर्युक्त पंक्तियों के आधार पर लिखिए कि 'भाषा में पेंच कसना' का क्या अभिप्राय है । इसका क्या परिणाम निकला ? कवि पेंच क्यों कसता चला गया ?
- (ग) चिड़िया, फूल और बच्चों की उड़ान के साथ कविता की तुलना करते हुए कवि ने कविता को किसके समान बताया है और क्यों ?

13. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : 2×2=4

- (क) 'आत्मपरिचय' कविता के आधार पर लिखिए कि कवि का दृष्टिकोण सांसारिक मनुष्यों से किस प्रकार भिन्न है ।
- (ख) 'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' गीत के आधार पर लिखिए कि कौन-सा विचार दिन ढलते समय चिड़िया के परों में तीव्रता भर देता है ।
- (ग) शरदकालीन सुबह की तुलना किससे और किस आधार पर की गई है ? 'पतंग' कविता के आधार पर लिखिए ।

अत्यंत गोपनीय - केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट, फरवरी - 2023

अंक-योजना - विषय : हिंदी (आधार)

विषय कोड संख्या : 302, प्रश्न-पत्र कोड : 2/4/1, 2/4/2, 2/4/3

सामान्य निर्देश :-

1. परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी त्रुटि भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को **पढ़ और समझ** लें।
2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है, क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है। इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक होना परीक्षा प्रणाली के लिए उपयुक्त नहीं है, जो लाखों परीक्षार्थियों के भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति दस्तावेज़ को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना IPC के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है।
3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह से निष्ठापूर्वक किया जाए। **हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ।**
4. योग्यता आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय कृपया दिए गए उत्तरों को समझें, भले ही उत्तर मार्किंग स्कीम में न हो, छात्रों को उनकी योग्यता के आधार पर अंक दिए जाने चाहिए।
5. अंक योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मान बिंदु होते हैं। ये केवल दिशा-निर्देशों की प्रकृति के हैं और पूर्ण नहीं हैं। यदि परीक्षार्थियों की अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार नियत अंक दिए जाने चाहिए।
6. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ, जब वह आश्वस्त हों कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।
7. परीक्षक सही उत्तर पर सही का चिह्न (✓) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (×)। मूल्यांकनकर्ता द्वारा ये चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है, परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह त्रुटि सर्वाधिक की जाती है।
8. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर **दायिी ओर** अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग **बायीी ओर** के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। **इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।**
9. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हों तो बायीी ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता का पालन किया जाए।
10. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उन्हें ही स्वीकार करें, उन्हीं पर अंक दें।

11. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर हर बार अंक न काटे जाएँ।
12. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में पूर्ण अंक पैमाना 0-80 (उदाहरण 0-80 अंक जैसा कि प्रश्न में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है, अर्थात् परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।
13. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात् 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है। प्रतिदिन मुख्य विषयों की 20 उत्तर-पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 25 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)
14. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें, जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं -
 - उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश का मूल्यांकन किए बिना छोड़ देना।
 - उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
 - उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
 - उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
 - आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि होना।
 - गलत प्रश्नवार आवरण पृष्ठ पर योग।
 - आवरण पृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का योग ठीक न होना।
 - योग करने में अंकों और शब्दों में अंतर होना।
 - उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
 - कुल अंकों के योग में अशुद्धि होना।
 - उत्तरों पर सही का चिह्न (✓) लगाना, किंतु अंक न देना। सुनिश्चित करें कि (✓) या (✗) का उपयुक्त चिह्न ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो।
 - उत्तर का एक भाग सही और दूसरा गलत हो, किंतु अंक न दिए गए हों।
15. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।
16. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन समिति के सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।
17. सभी परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन कार्य से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित हो जाएँ।
18. परीक्षक सुनिश्चित करें कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है। आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।
19. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पुनः मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर-पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देता है। समस्त परीक्षकों / अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों / मुख्य परीक्षकों पुनः स्मरण कराया जाता है - वे सुनिश्चित करें कि प्रत्येक उत्तर का मूल्यांकन, मार्किंग स्कीम में दिए मूल बिंदुओं के अनुसार, सख्ती से किया गया है।



सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा

फरवरी - 2023

अंक योजना : हिंदी आधार (302) प्रश्न-पत्र गुच्छ संख्या 2/4/1, 2/4/2, 2/4/3

कक्षा : XII

अधिकतम अंक: 80

सामान्य निर्देश

- अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।
- वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं, बल्कि ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।
- यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दें, तो उन्हें अंक दिए जाएँ।
- मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक योजना में दिए गए निर्देशानुसार ही किया जाए।

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/4/1	2/4/2	2/4/3		
				खंड 'अ' (बहुविकल्पी / वस्तुपरक प्रश्न)	
1	1	2	1		10x1=10
	(i)	(i)	(i)	(d) वायु की शुद्धता	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(c) समस्या सिर पर आने पर ही समाधान पर विचार करते हैं ।	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(b) हवा की गति बढ़ने पर प्रदूषण घटने लगता है	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(c) जब उसमें प्रदूषक तत्वों की अधिकता हो	1
	(v)	(v)	(v)	(c) धरती के बढ़ते तापमान को नियंत्रित रखना होगा	1
	(vi)	(vi)	(vi)	(b) स्थानीय स्तर पर वायु -प्रवाह में प्रदूषण बढ़ रहा है ।	1
	(vii)	(vii)	(vii)	(b) इससे वनस्पति, जीव-जंतुओं को नुकसान पहुँचेगा ।	1
	(viii)	(viii)	(viii)	(d) प्रदूषित हवा को शुद्ध करने के लिए	1
	(ix)	(ix)	(ix)	(b) दिनोंदिन हवा में बढ़ता प्रदूषण	1
	(x)	(x)	(x)	(b) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) कथन (A) की गलत व्याख्या करता है ।	1
2	2	1	2	(क) काव्यांश - 1	5x1=5
	(i)	(i)	(i)	(c) गंगा नदी का बढ़ा जल-स्तर	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(a) गंगाजल रूपी रजत परिधान	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(d) घर का मजबूत होना	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(b) पतली	1
	(v)	(v)	(v)	(d) उपमा	1
	अथवा	अथवा	अथवा	(ख) काव्यांश - 2	
	(i)	(i)	(i)	(a) धैर्य, शौर्य, बुद्धि और वीरता	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(c) स्वयं को वर हेतु योग्य सिद्ध करने की परीक्षा	1

	(iii)	(iii)	(iii)	(d) उपयुक्त व्यक्तित्व	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(c) तुरंग	1
	(v)	(v)	(v)	(b) उपमा	1
3	3	3	3		5x1=5
	(i)	(iii)	(iv)	(c) बीट	1
	-	(i)	-	(a) संपादक मंडल द्वारा	1
	-	-	(i)	(a) नेट साउंड	1
	(ii)	(iv)	(v)	(a) अमेरिका में गृह-युद्ध के दौरान	1
	-	(ii)	-	(c) डायनमिक फौन्ट की अनुपलब्धता से	1
	-	-	(ii)	(a) रीडिफ डॉट कॉम	1
	(iii)	-	-	(c) वेब दुनिया के साथ	1
	(iv)	(v)	(iii)	(b) शब्दों और ध्वनियों का	1
	(v)	-	-	(a) विशेष रिपोर्ट	1
4	4	5	4		5x1=5
	(i)	(i)	(i)	(c) कागज के उस पन्ने का जिस पर रचना शब्द-बद्ध होती है	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(c) भावनाओं और विचारों का वेग	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(c) कल्पना	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(a) शब्दों के अंकुर फूटे	1
	(v)	(v)	(v)	(b) काव्य-रचना प्रक्रिया को	1
5	5	4	5		5x1=5
	(i)	(i)	(i)	(a) खेतों में बीज बोना	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(c) पानी का दान-पुण्य करना पड़ता है	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(d) दान-पुण्य करने से	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(d) दान-पुण्य की महत्ता समझाने के लिए	1
	(v)	(v)	(v)	(d) पानी को इंद्र-सेना पर डालना	1
6	6	6	6		10x1=10
	(i)	-	-	(a) पत्नी और बच्चों से वैचारिक मतभेद होने के कारण	1
	-	(i)	-	(d) छोटे-छोटे कमरों का मिलना	1
	-	-	(i)	(d) पाश्चात्य सभ्यता को अधिक महत्त्व दिया जाना	1
	(ii)	-	-	(a) घर में अतिरिक्त कमरा न होने के कारण	1
	-	(ii)	-	(b) कक्षा में बड़ी कक्षा के छात्रों के सम्मुख गायन का अवसर प्रदान कर	1
	-	-	(ii)	(d) (a) और (b) दोनों	1
	(iii)	(iv)	(iv)	(d) उनका अपने परिवार से मतभेद रहने लगा	1
	-	(iii)	-	(c) युवावस्था में फालतू के काम करना	1
	-	-	(iii)	(b) किशन दा लंबी आयु तक नहीं जी सका	1



	(iv)	(v)	(v)	(c) वे इसे विदेशी कस्टम मानते थे	1
	(v)	(vi)	(vi)	(a) ईख की अच्छी-खासी कीमत पाने के लिए	1
	(vi)	-	-	(c) शाम को खेतों में सिंचाई करना	1
	(vii)	(vii)	(vii)	(a) सहपाठियों के पास हो आगे की कक्षा में चले जाने के कारण	1
	(viii)	(viii)	(viii)	(d) बौद्ध स्तूप	1
	(ix)	(ix)	(ix)	(a) कर के रूप में एकत्रित अनाज रखने के लिए	1
	(x)	(x)	(x)	(a) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।	1
				खंड 'ब' (वर्णनात्मक प्रश्न)	
7	7	9	7	(किसी एक विषय पर रचनात्मक लेख)	6
				प्रारंभ, समापन	1
				विषयवस्तु	3
				प्रस्तुति	1
				भाषा	1
8	8	7	8	(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)	2x3=6
	(क)	(क)	(क)	तत्त्व - □ कहानी के पात्रों के मनोभावों / मानसिक-द्वंद्वों की नाटकीय प्रस्तुति □ कहानी में वर्णित परिवेश एवं परिस्थितियों पर लेखक की टिप्पणी □ कहानी के संवादों की नाटकीय प्रस्तुति (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	1½+1½=3
	(ख)	(ख)	(ख)	नाटकों में स्थान - □ मंचसज्जा, संगीत एवं प्रकाश व्यवस्था द्वारा □ पात्रों की वेशभूषा एवं अभिनय द्वारा □ पात्र संबंधी समस्त जानकारी, आपसी संबंध, चारित्रिक विशेषताओं को प्रकट करने वाले □ भाषा-पात्रानुरूप □ पात्रों के एक्शन की अभिव्यक्ति □ पात्रों के नाम का संबोधन (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3
	(ग)	(ग)	(ग)	□ समय और स्थान के आधार पर दृश्य-विभाजन	3

				<ul style="list-style-type: none"> □ परिवेश और परिस्थिति-संबंधी टिप्पणियों को दृश्यों में ढालना □ मंचसज्जा, पार्श्व-संगीत एवं ध्वनि व प्रकाश की व्यवस्था □ दृश्यों के क्रमिक विकास हेतु कहानी के अनुरूप संवाद लेखन □ कहानी के पात्रों का उचित चरित्र-चित्रण □ कहानीकार द्वारा व्यक्त प्रसंग एवं मानसिक द्वंद्व को संवादों के माध्यम से प्रकट करना <p style="text-align: center;">(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)</p>	
	9	8	9	(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)	2x4=8
	(क)	(क)	(क)	<ul style="list-style-type: none"> □ सहज, सरल, आम बोलचाल की भाषा का प्रयोग करना □ छोटे-छोटे वाक्यों का प्रयोग करना □ निम्नलिखित, अधोहस्ताक्षरित, क्रमांक आदि शब्दों के प्रयोग से बचना □ अनावश्यक विशेषणों और शब्दों के प्रयोग से बचना □ मुहावरों एवं कहावतों का सहज, स्वाभाविक प्रयोग करना <p style="text-align: center;">(कोई चार बिंदु अपेक्षित)</p>	4
	(ख)	(ख)	(ख)	<p>अभिप्राय -</p> <ul style="list-style-type: none"> □ किसी खास विषय पर सामान्य विषय से हटकर लिखा गया लेखन, जिसमें राजनैतिक, आर्थिक, आपराधिक, खेल, फिल्म, कृषि आदि विषयों से संबंधित महत्वपूर्ण एवं विस्तृत सूचनाएँ प्रदान की जाती हों <p>भाषा-शैली</p> <ul style="list-style-type: none"> □ विषयों में तकनीकी जटिलता होना □ विषय एवं क्षेत्र की तकनीकी शब्दावली होना □ निश्चित शैली का न होना <p style="text-align: center;">(कोई दो बिंदु अपेक्षित)</p>	2+2=4



	(ग)	(ग)	(ग)	विशेषताएँ - <ul style="list-style-type: none"> □ स्थायित्व □ चिंतन-मनन, विचार-विश्लेषण संभव □ सहेजकर रखने की सुविधा □ सुविधानुसार कहीं-भी और कभी-भी पढ़ सकना <p style="text-align: center;">(कोई दो बिंदु अपेक्षित)</p> कमियाँ - <ul style="list-style-type: none"> □ निरक्षरों के लिए अनुपयोगी □ तुरंत घटित घटनाओं की जानकारी नहीं □ निश्चित अवधि पर ही प्रकाशित होना <p style="text-align: center;">(कोई दो बिंदु अपेक्षित)</p>	2+2=4
10	10	10	10	(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)	2x3=6
	(क)	-	-	<ul style="list-style-type: none"> □ द्वंद्वों से घिरा कवि का जीवन □ समाज से खट्टा-मीठा, प्रीति-कलह का संबंध □ उन्मादों में अवसाद, रोदन में राग और शीतल वाणी में आग लेकर फिरना □ जीवन - विरोधों के बावजूद सामंजस्य बना कर समाज को मस्ती का संदेश देना <p style="text-align: center;">(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)</p>	3
	-	(क)	-	अर्थ - क्षमता, योग्यता और कार्यकुशलता के आधार पर मानवोपयोगी कार्यों का विभाजन अंतर- श्रम-विभाजन - क्षमता, योग्यता एवं कार्यकुशलता के आधार पर; श्रमिक विभाजन केवल जन्म के आधार पर <ul style="list-style-type: none"> □ श्रम विभाजन में व्यक्ति के द्वारा रुचि एवं योग्यतानुसार व्यवसाय चुनने की अनुमति, श्रमिक विभाजन में नहीं 	1+2=3
	-	-	(क)	संसार द्वारा बनाई गई रीतियों और परंपराओं का पालन करने वालों को कारण - <ul style="list-style-type: none"> □ खुशामदी / चापलूसी प्रवृत्ति के कारण □ सांसारिक प्रेम, मान-सम्मान स्वार्थ पर आधारित होने के कारण 	1+2=3

(ख)	-	-	<ul style="list-style-type: none"> □ साक्षात्कारकर्ता द्वारा स्वयं को पूर्ण और शक्तिशाली मानकर अपाहिज को दुर्बल समझने का अहंकार □ दूरदर्शन पर अपाहिज को प्रदर्शन की वस्तु मान, उसके मन की पीड़ा को कुरेदना □ अपाहिज का साक्षात्कार व्यावसायिक उद्देश्यों को पूरा करने का माध्यम मात्र, पीड़ा से कोई सरोकार न होना 	3
-	(ख)	-	<ul style="list-style-type: none"> □ कठोरता के साथ कोमलता का भाव □ स्वयं कष्ट सहकर भी दूसरों के लिए जीने की प्रवृत्ति □ विपरीत परिस्थितियों में भी शांत एवं अविचलित रहना □ अवधूत की भाँति जीवनयापन करना <p style="text-align: center;">(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)</p>	3
-	-	(ख)	<ul style="list-style-type: none"> □ पीड़ा का बाजारीकरण □ मीडियाकर्मियों की करुणा के मुखौटे में छिपी संवेदनशून्यता □ अपने व्यावसायिक उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपाहिज की पीड़ा और बेबसी को बेचना □ दर्शकों की भरपूर संवेदना प्राप्त कर अपने चैनल की लोकप्रियता बढ़ाना <p style="text-align: center;">(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)</p>	3
(ग)	-	-	<p>क्रांति का प्रतीक -</p> <ul style="list-style-type: none"> □ निर्धन, शोषित, कृषक, सर्वहारा वर्ग द्वारा आह्वान <p>कारण -</p> <ul style="list-style-type: none"> □ शोषक वर्ग के अन्याय, अत्याचार, शोषण से मुक्ति हेतु □ सुप्त अंकुरों को नवजीवन देने हेतु 	1+1+1=3
-	(ग)	-	<p>कारण -</p> <ul style="list-style-type: none"> □ राजा साहब की मृत्यु के पश्चात सत्ता का नए राजकुमार के हाथों में आना 	1½+1½=3



				<ul style="list-style-type: none"> □ कुश्ती जैसे पारंपरिक खेलों में उसकी रुचि न होना <p>संकेत -</p> <ul style="list-style-type: none"> □ सत्ता परिवर्तन द्वारा केवल शासक का ही बदलना नहीं, लोक-कलाओं व कलाकारों का भी अप्रासंगिक हो जाना 	
	-	-	(ग)	<p>उपमान -</p> <ul style="list-style-type: none"> □ शंख जैसा नीला होना □ राख से लीपा हुआ गीला चौका □ केसर से धुली सिल □ लाल खड़िया चाक मली हुई स्लेट <p>(किन्हीं तीन उपमानों का स्पष्टीकरण अपेक्षित)</p>	3
11	11	11	11	(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)	2x2=4
	(क)	-	-	<ul style="list-style-type: none"> □ दयनीय स्थिति □ नारी-हानि को विशेष क्षति न मानना □ भाई की अपेक्षा पत्नी को हीन समझना <p>(कोई दो बिंदु अपेक्षित)</p>	2
	-	(क)	-	<ul style="list-style-type: none"> □ बैंक में धन जमा करके □ माल-असबाब , मकान-कोठी आदि खरीदकर □ पैसे की पर्चेजिंग पावर का प्रयोग करके <p>(कोई दो बिंदु अपेक्षित)</p>	2
	-	-	(क)	<ul style="list-style-type: none"> □ जीवनदायी एवं सुखद होने के कारण □ क्रांति के संवाहक होने के कारण □ प्रकृति एवं शोषित वर्ग के जीवन में समृद्धि लाने के कारण <p>(कोई दो बिंदु अपेक्षित)</p>	2
	(ख)	-	-	<ul style="list-style-type: none"> □ बच्चे के प्रति माँ की कोमलता, सतर्कता, वात्सल्य भाव □ चंचल शिशु को सम्हालने की कुशलता एवं ममता प्रतिबिंबित होना 	2
	-	(ख)	-	<ul style="list-style-type: none"> □ नाम समृद्धि सूचक, लेकिन जीवन में धन का नितांत अभाव 	2



				<ul style="list-style-type: none"> □ कष्टपूर्ण जीवन □ जीवन में दुर्भाग्यों की बहुलता <p style="text-align: center;">(कोई दो बिंदु अपेक्षित)</p>	
	-	-	(ख)	<p>तुलना - रावण से</p> <p>कारण - दरिद्रता रूपी रावण से समूचा संसार त्रस्त, पीड़ित, आतंकित</p>	2
	(ग)	-	-	<p>समानता -</p> <ul style="list-style-type: none"> □ हर पंच के लिए निश्चित खॉचे की भाँति हर बात के लिए कुछ विशेष शब्दों का होना □ जोर-जबरदस्ती से पंच की चूड़ी मरना, उसी प्रकार विद्वत्तापूर्ण भाषा के दिखावे से बात का प्रभावहीन हो जाना 	2
	-	(ग)	-	<p>तुलना - सत्ताधारी नेताओं से</p> <p>कारण - अधिकार लिप्सा के कारण</p>	1+1=2
	-	-	(ग)	<p>चाँद की माँग</p> <ul style="list-style-type: none"> □ दर्पण में चाँद का प्रतिबिंब दिखाकर 	1+1=2
12	12	12	12	(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)	2x3=6
	(क)	-	-	<ul style="list-style-type: none"> □ इधर-उधर पड़े रुपए-पैसे को भंडारघर की मटकी में छिपाकर रखना एवं इस कार्य को चोरी न मानना □ लेखिका के क्रोध से बचने हेतु घुमा फिराकर कही बात को झूठ न मानना □ सेविका होते हुए भी लेखिका की इच्छानुसार कार्य न करके, अपनी इच्छा से कार्य करना □ शास्त्र का प्रश्न भी अपनी सुविधानुसार सुलझा लेना <p style="text-align: center;">(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)</p>	3
	-	(क)	-	<ul style="list-style-type: none"> □ अपाहिज की लाल सूजी हुई आँख और होंठों पर विद्यमान कसमसाहट के माध्यम से □ नहीं <p>तर्क- प्रसारण समय समाप्त होने के कारण</p>	3

-	-	(क)	आशय - सांसारिक आकर्षणों के लिए तृष्णा, संचय में विश्वास, लालच, दिखावे की प्रवृत्ति वालों में आत्मबल का अभाव होना	3
(ख)	-	-	प्रभाव - <input type="checkbox"/> चुंबकीय आकर्षण <input type="checkbox"/> मन में असंतोष व तृष्णा का भाव जागृत बचाव - <input type="checkbox"/> खाली मन से बाजार न जाना <input type="checkbox"/> अनावश्यक वस्तुओं की खरीदारी न करना	1½+1½=3
-	(ख)	-	अभिप्राय - भाषा को चमत्कारिक बनाने के लिए अनावश्यक व पांडित्यपूर्ण शब्दावली का प्रयोग प्रभाव - बात / कथ्य का प्रभावहीन होना कारण - तमाशबीनों की वाहवाही बटोरने एवं विद्वता-प्रदर्शन हेतु	1½+1½=3
-	-	(ख)	<input type="checkbox"/> अमावस्या की काली ठिठुराती रात्रि में गाँव का भयार्त शिशु की तरह काँपना <input type="checkbox"/> सियारों का क्रंदन एवं उल्लुओं की डरावनी आवाज <input type="checkbox"/> राख के ढेर पर बैठे हुए कुत्ते का रोना <input type="checkbox"/> झोंपड़ियों से कराहने और कै करने की आवाज <input type="checkbox"/> 'हरे राम ! हे भगवान !' की टेर <input type="checkbox"/> बच्चों का निर्बल कंठों से 'माँ-माँ' पुकारकर रो पड़ना (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3
(ग)	-	-	<input type="checkbox"/> संसार के चिर-परिचित और अति प्रामाणिक सत्य - जरा और मृत्यु का वर्णन <input type="checkbox"/> जीवन में परिवर्तन को स्वीकार करना <input type="checkbox"/> जड़ता को त्याग कर गतिशील रहना <input type="checkbox"/> आगे की ओर मुँह किए रहना (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3



	-	(ग)	-	बच्चे के समान कारण - <ul style="list-style-type: none"> □ दोनों में असीमित कल्पना की उड़ान □ समाज में आपसी भेदभाव भुलाकर समानता की भावना का प्रसार करना □ दोनों के उपकरण - जड़-चेतन, अतीत-वर्तमान और भविष्य □ दोनों का आनंद शाश्वत, समय और स्थान की सीमाओं से परे <p style="text-align: center;">(कोई दो बिंदु अपेक्षित)</p>	1+2=3
	-	-	(ग)	कवियों की धारणा - <ul style="list-style-type: none"> □ शिरीष-पुष्प का केवल भौरों के पदों का कोमल दबाव ही सहन करने में समर्थ होना, पक्षियों का नहीं □ फूलों के साथ-साथ सभी कुछ कोमल होना लेखक का कथन - <ul style="list-style-type: none"> □ शिरीष को कोमल मानना भूल □ फल इतने मजबूत कि नए फूलों के निकलने के बाद भी अपने स्थान को न छोड़ना 	1½+1½=3
13	13	13	13	(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)	2x2=4
	(क)	-	-	<ul style="list-style-type: none"> □ जीवन, शारीरिक-सुरक्षा, संपत्ति का अधिकार, गमनागमन की स्वतंत्रता, जीविकोपार्जन के लिए आवश्यक औजार व सामग्री रखने की स्वतंत्रता के पक्ष में □ मनुष्य को सक्षम एवं प्रभावशाली प्रयोग की स्वतंत्रता देने के पक्ष में नहीं 	1+1=2
	-	(क)	-	<ul style="list-style-type: none"> □ सांसारिक मनुष्य भौतिकतावादी मानसिकता एवं संचय की भावना से ग्रसित, कवि को वैभव और समृद्धि तुच्छ लगना तथा धन-संग्रह के पीछे न भागना, प्रेम में विश्वास रखना 	2
	-	-	(क)	<ul style="list-style-type: none"> □ मनुष्य की स्वाभाविक प्रेरणा, रुचि व आत्मशक्ति को दबाकर उन्हें अस्वाभाविक नियमों में जकड़ निष्क्रिय बना देना 	2

			<ul style="list-style-type: none"> □ अरुचि के साथ विवशतावश कार्य करने के कारण उनकी कार्यकुशलता और उत्पादकता का प्रभावित होना □ समाज की आर्थिक स्थिति का अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित होना <p style="text-align: center;">(कोई दो बिंदु अपेक्षित)</p>	
(ख)	-	-	<ul style="list-style-type: none"> □ महामारी का प्रकोप देख अंधेरी रात का चुपचाप आँसू बहाना □ सियारों के क्रंदन और पेचक की डरावनी आवाज का निस्तबद्धता को भंग करना □ आकाश के टूटते तारे की ज्योति और शक्ति का रास्ते में ही शेष हो जाना <p style="text-align: center;">(कोई दो बिंदु अपेक्षित)</p>	2
-	(ख)	-	<ul style="list-style-type: none"> □ नीड़ों में प्रतीक्षारत बच्चों का ध्यान □ रात्रि होने का भय □ बच्चों का भूखा-प्यासा होना <p style="text-align: center;">(कोई दो बिंदु अपेक्षित)</p>	2
-	-	(ख)	<ul style="list-style-type: none"> □ बाजार का मूक आमंत्रण □ बाजार में सजे सामान को देख मन में उसे लेने की चाह जागना □ मनुष्य को असंतोष, तृष्णा और ईर्ष्या से घायल करना <p style="text-align: center;">(कोई दो बिंदु अपेक्षित)</p>	2
(ग)	-	-	<p>भक्तिन को</p> <ul style="list-style-type: none"> □ एक के बाद एक तीन कन्याओं को जन्म देने के कारण □ समाज में लड़का-लड़की में भेदभाव होने के कारण <p style="text-align: center;">(कोई एक बिंदु अपेक्षित)</p>	1+1=2
-	(ग)	-	<p>खरगोश की लाल आँखों से</p> <p>आधार -</p> <p>शरदकालीन लालिमायुक्त मोहक सौंदर्य से पूर्ण प्रातः</p>	1+1=2



	-	-	(ग)	साहित्यकारों द्वारा महादेवी को दिए गए सम्मान की मात्रा के आधार पर	2
--	---	---	-----	---	---
